>

Title: Need to take stringent measures to curb tax evasion in the country.

श्री दानवे रावसाहेब पाटील (जालना): देश में काले धन की समस्या बहुत पुरानी है। देश में बड़े पैमाने पर कर चोरी होती है और इस तरीके से जमा अवैध धन को विदेशी बैंकों में जमा किया जाता है। आर्थिक खुफिया एजेंसियों ने पिछले वर्ष में तीस अरब रूपए के काले धन का पता लगाने का दावा किया है। यह केन्द्रीय उत्पाद, सीमा शुल्क और सेवाकर चोरी की रकम है जिसे सरकारी खजाने में जमा करने के बजाए व्यापारियों ने इसे अपनी जेब में डाल लिया। देश में कर चोरी करने वालों की संख्या बहुत बड़ी है। आर्थिक अपराधों की रोकथाम के लिए कई कानून बनाए गए हैं लेकिन उनका कार्यान्वयन ठीक से नहीं होता है। प्रतिवर्ष सरकार को कर वंचन के कारण राजस्व की भारी हानि उठानी पड़ती है और बिना हिसाब-किताब के लेन-देन का पता लगाना कठिन होता है। अतः सरकार से निवेदन है कि कर चोरी का पता लगाने के लिए प्रवर्तन एजेंसियों को साधन संपन्न बनाया जाए।